KB14-2-2-HI

16 भविष्यवाणी जो साबित करती हैं कि वो ही मसीहा है - पाफर्् 2 - प्रोग्राम 2

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, परमेश्वर ने सटीक भविष्यवाणी दी, सैकड़ों साल पहले ही, उस खास व्यक्ति के बारे में जिसे वो पृथ्वी पर भेजनेवाला था/ जिसे मसीहा कहेगे/ परमेश्वर कौनसी सटीक भविष्यवाणी दी थी? हीब्रू वचन में वो कहाँ पाए जाते हैं? जिन यहूदी लोगों के लिए भविष्यवाणी आई थी, क्या उन्होंने जाना कि उन्हें विशेष प्रतिज्ञाएं दी गई हैं, जो आनेवाले मसीहा के बारे में दर्शाती हैं/ इस सीरिज़ में हम देखेगे 16 भविष्यवाणी, जो यहूदी लोगों को दी गई थी, आदम से इब्राहिम तक, मूसा से दाऊद तक, यशायाह से दानिएल और जकर्याह तक/ हम देखेगे कि ये महत्वपुर्ण भविष्यवाणी, साबित करती है कि यीशु ही परमेश्वर का मसीहा है/

मेरे पहले मेहमान हैं, डॉक्फ्र वॉल्फ्र कायज़र/ ये एक थियॉलॉजीयन हैं, बीबलीकल स्कॉलर हैं हीब्रू वचन के/ आज अमेरीका में/ डॉक्फ्र कायसर हैं, प्रेसीडेन्फ एमीरीफ्सि और अदभुत प्रोफेसर हैं, पूराने नियम के/ गॉरडन कॉनवेल थियॉलॉजीकल सेमनरी में, हैमिलफ्न मैचकूसस में, और दूसरे मेहमान हैं, डॉक्फ्र डेरेल बॉक, ये एक लीडींग थियॉलॉजीयन और बाइबल के विद्वान हैं, नए नियम के वचनों पर/ ये सिनियर रीसर्च प्रोफेसर हैं, नए नियम की स्फ्डी में, और एक्सीक्युफीव डायरेक्फ्र हैं, कल्चरल एन्गेजमेन्फ, डेलस थियॉलॉजीकल सेमनरी में, डेलस फेक्सस में, हमारे साथ जुड़ जाए, इस खास एडीशन द जॉन एन्करबर्ग शो में/

।।।।

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हमारे प्रोग्राम में स्वागत हैं, हम दो अदभुत विद्वान से चर्चा कर रहे हैं, डॉक्टर डेरेल बॉक और डॉक्टर वॉल्टर कायज़र, हम चर्चा कर रहे हैं कि क्या इतिहास में कोई सबूत हैं, जहाँ परमेश्वर ने सटीक भविष्यवाणी दी, सैकड़ों साल पहले, उस व्यक्ति के बारे में जिसे वो पृथ्वी पर भेजनेवाला था, जिसे वो मसीहा कहता है/ और एक वचन में याने हीब्रू वचन में, जिसे हम देख रहे हैं वो है यशायाह 53, हमने इन में से कुछ देखेगे हैं, लेकिन अब हम इन वचनों को लेगे, पहले मैं इसे स्क्रीन पर रखूंगा और फिर मैं इस पर इनकी राय लूंगा/ देखिए ये क्या कहता है/ यशायाह भविष्यवक्ता कहता है/ वह याने दास सताया गया, तौभी वह सहता रहा और अपना मुँह न खोला, जिस प्रकार भेंड़ वध होने के समय और भेड़ी ऊन कतरने के समय चुपचाप शान्त रहती है, याने उसने अपना मुँह नही खोला, अत्याचार करके और दोष लगाकर वे उसे ले गएं/ उस समय के लोगों में से किसने इस पर ध्यान दिया कि वह जीवतों के बीच में से उठा लिया गया? मेरे ही लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी/

उसकी कब्र भी दुष्टों के संग ठहराई गई, और मृत्यु के समय वह धनवान का संगी हुआ/ यद्यपि उसने किसी प्रकार का उपद्रव न किया था और उसके मुहँ से कभी छल की बात नही निकली थी/

डॉक्टर कायज़र मैं बहुत खुश हूँ कि आप यहाँ हैं, आपने बहुत साल तक इन वचनों का अध्यन किया है, आपने इन वचनों के बारे में लिखा है/ एक एक करके इन वचनों को बताईए और समझाईए कि यहाँ क्या हो रहा है, परमेश्वर हमें क्या कह रहा है, इस भविष्यवाणी में, यशायाह भविष्यवक्ता से/ ये मसीह के कितने साल पहले था/

डॉक्टर वॉल्टर कायज़र: जी, यहाँ हम तीन वचनों के चौथे ग्रुप में आते हैं, दास का भेद और 52:13 से 15 तक, फिर है दास का तिरस्कार, 53:1 से 3 फिर उस के बाद मुख्य है, याने प्रायश्चित, कि कैसे परमेश्वर और मनुष्य फिर वापस आ गएं/ और फिर है दास का समर्पण, और वो समर्पण करता है वचन 7 में, दुःख उठाने में समपर्ण किया, वचन 8 में, अपनी मृत्यु में, और उसने समर्पण किया वचन 9 में, अपने ग़ाढे जाने में, और ये बातें बताई जा सकती हैं, थियॉलॉजीकली और ऐतिहासिक रुप में/ दोनों तरह से/ उदाहरण के लिए 5 अनैतिक परीक्षा हुई, जिसमें से हमारा प्रभु गया था, ये जाँचा जाना था/ लेकिन शिकायत का एक शब्द भी नही कहा/ वचन कहता है कि उसने अपना मूँह भी नही खोला/ क्योंकि उसने पाँच मुख्य परीक्षाओं का सामना किया था/ उन में से हरएक अनैतिक थे, ये किताबों में है/ याने सबसे पहले था अन्यास/ उसने उसे परखा/ और फिर एक और हुई महायाजक के महल में, फिर पिलातुस सामने आया/ वो तो तीसरा था/ और फिर हेरोदेस/ कैसर का प्रतिनिधी ये चौथा था/ और अंत में पिलातुस ने न्याय किया/ कटोरे के पानी से हाथ धोकर कहा, मैं इन सारी बातों में निर्दोष हूँ/ लेकिन अवश्य ही वो इस तरह से निर्दोष नही हो सकता था/ इतनी आसानी से/

और वचन ये भी कहता है/ उसकी कब्र दुष्टों के साथ बनाई गई, ये अनेक वचन है/ वो क्रूस पर दो चोरों के बीच लटकाया गया/ इस वचन को देखिए, ये कहता है कि ये दुष्टों के संग गिना गया/ और उसे एक धनी की कब्र में रखा गया/ इस समय एक वचन है अनेक वचन नही/ ये वचन किस तरह से जानता, इतने साल बाद, यशायाह कहता है, लगभग 800 बी सी में, तो ये 800 साल बाद हो रहा था, अरमताया का यूसूफ कहता है कि उसे मेरी कब्र में रखो/ वो एक धनी व्यक्ति था/ वो यहूदी काऊन्सील का एक भाग था/ उस समय में, ये सब हमारे प्रभु के साथ हुआ, उसने कुछ नही किया था/ अपना मुँह खोलने के बारे में, इसलिए ये केवल इस्राएल देश के लिए नही हो सकता/ ये कहता है उसने अत्याचार नही किया/ और उसके मुँह से छल की बात नही निकली/ ये तो हम में से किसी के लिए नही हो सकता है/ इस्राएल के बारे में, याने वचन कहता है कि कैसे खुद को समर्पण किया/ हर तरह से उसने समर्पण किया, और इतिहास ये कहता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आप यहूदी पृष्ठभूमि से हैं/ और फिर भी आप ये कहते हैं, ये वचन हमेशा यहूदी सभा में नही पढा जाता/ क्या ये सच है?

रेल बॉक: जी सच है ये पारंपारिक पढने का भाग नही है/ इसे मानो एक तरफ रखकर इसे अलग किया जाता है/ लगभग भूल गएं हैं/ ये भुलाया गया वचन है और इसे याद नही करते/ क्योंकि इस में ये मुख्य विचार है, कि कैसे छुटकारा देनेवाला काम करेगा/ इस वचन के बारे में एक सवाल ये है, हम कैसे जानेगे कि ये मसीहा है, ये नाम याने दास, हम इस वचन में मसीहा ये शब्द नही देखते हैं, हम ये जानते हैं, ये यशायाह का दूसरा भाग है/ यशायाह के पहले भाग में, हमने चर्चा की कि छुटकारा देनेवाला कौन

होगा, वो राजा होगा/ वो सामर्थी होगा, वो छुटकारा देगा/ जानते हैं वो शान्ति का राजकुमार होगा/ अदभुत युक्ति करनेवाला/ याने यहाँ पर उठाया गया चित्र है/ ये तो यशायाह के पहले भाग में है/ लेकिन ये कहानी का दूसरा आधा भाग है, यदि दूसरे भाग का पहले भाग से संबंध भूल जाएं/ तो पूरी कहानी नही है/

इसलिए हम इस वचन को देखते हैं, और हम यहाँ देखते हैं कि यीशु ने अन्याय सहा/ उसने एक शब्द नही कहा/ हम सुसमाचार के इन भागों में देखते हैं कि कईबार यीशु की परिक्षा हुई/ कईबार लूका 23 में ये वाक्य कहा गया है/ वो निर्दोष था, ये दोष के योग्य नही है/ इत्यादि/ और चित्र तो ये है कि किसी को मृत्यु दण्ड दिया है/ तुम इसके लायक हो, ये वचन इसी के बारे में कहता है/ जब इथियोपियन खोजा फिलिप्पुस से मिला/ वो यशायाह 53 से बातें कर रहा था/ वहाँ वचन का ये भाग पढा गया/ यीशु की मृत्यु अन्याय थी, लेकिन इसका दूसरा पहलू ये है कि यदि की मृत्यु अन्याय थी, तो उसने जो होने का वादा किया वो वही है/ और यदि उसने जो होने का वादा किया वो वही है, तो इसका अर्थ है कि हमें ध्यान देना पडेगा/ इस संदेश की ओर हो यीशु लाता है, जो मिशन वो हमारे लिए लाता है, ये ऑफर कि जीवित परमेश्वर के साथ हमें फिर जोड़े, ये सच है/ और ये तो यहूदी है/ इसलिए हमें प्लग को सॉकेट में जोड़ना है/ हम जीवित परमेश्वर के साथ जूड़ते हैं, जो हमारे लिए है/ उसने एक तरफ हमारे पाप उठाएं, उसने निर्दोष होकर इसे सहा/ वो मृत्यु में से गया/ अन्याय सहा/ और हम उसके लोग हो सके, उसने हमारे लिए जो किया उसके कारण/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : मैं उस विषय के बारे में पुछना चाहता हूँ जिसमें आपने पी एच डी की है/ वो तो परखा जाना है/ आप ये कह रहे हैं कि उसने अपना मुँह नही खोला/ एक ऐसी जगह थी जहाँ उससे चाहा गया/ कि अपना मुँह खोले, और उसने दावे किए थे, मरकूस की इस बात को बताईए/

रेल बॉक: देखिए ये टेकनिकली परखे जाने से बढकर परीक्षा थी क्योंकि यहूदी चित्र में जहाँ महायाजक ने यीशु से सवाल पुछा कि जो वो दावा करता है वही है, याने तू मसीहा है/ परमेश्वर का पुत्र है/ उनके पास मृत्यु दण्ड देने का अधिकार नही था, वो केवल सबूत इकट्ठे कर रहे थे कि वो रोम में जा सके/ और धार्मिक दोष लेकर उसे राजनैतिक दोष बनाएं/ कि पिलातुस को यीशु को मृत्यु दण्ड देने लगाएं/ ये पृष्ठभूमि है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : चलिए मैं ये वचन पढता हूँ कि लोग इस पॉईन्ट को समझ सके, ठिक है/ हम इसे मरकूस से देख रहे हैं/ ये शुरु की घटना है, अध्याय 14 वचन 61 से 65 तक/ तब महायाजक ने यीशु से पुछा, क्या तू उस परमधन्य का पुत्र मसीह है? वो परमेश्वर नही कहते थे, परमधन्य का पुत्र/ क्या तू परमधन्य का पुत्र मसीह है/ यीशु ने कहा, मैं हूँ, बताईए इसका क्या अर्थ है/ और तुम मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान की दाहिनी ओर बैठे और आकाश के बादलों के साथ आते देखोगे/ तब महायाजक ने अपने वस्त्र फाड़कर कहा, अब हमें गवाहों का और क्या प्रयोजन है/ तुम ने यह निन्दा सुनी, तुम्हारी क्या राय है? उन सब ने कहा कि यह वध के योग्य है/ यहाँ क्या हो रहा है?

रेल बॉक: जी, परमेश्वर के लिए बड़ा आदर रखकर सवाल पुछा गया/ क्या तू परमधन्य का पुत्र मसीहा है/ यहूदी लोगों में यदि परमेश्वर के लिए आदर दिखाना है, या परमेश्वर के बारे में कहना है, तो उसके बारे में कहने के लिए ये शब्द उपयोग होता है/ याने सवाल तो परमेश्वर के लिए अदभुत आदर के साथ शुरु होता है/ यीशु पहले जवाब देता है, मैं हूँ/ कुछ लोग इस पर बहुत कुछ कहते हैं, मैं इसके बारे में ज्यादा नही कहूंगा, कुछ कहते हैं, मैं हूँ याने, निर्गमन का मैं हूँ, याहवे के साथ की पहचान/ मुझे नही लगता कि ये काम करेगा/ मेरा मतलब वो बस कहता है हाँ/ फिर वो इसके साथ जोड़ता है भजन 110:1, और दानिएल 7:13 और 14, एक साथ जोड़ता, बादलो पर आएगा, दानिएल से, और परमेश्वर के दाहिने बैठेगा भजन 110 से/ इस पर आधारित होकर वो कहता है कि तुम मुझे यहाँ परख रहे हो, शायद तुम मुझे मृत्यु दण्ड दोगे/ मुझे पिलातुस तक ले जाओगे कि मुझे मृत्युदण्ड दे/ लेकिन मैं तुम्हें ये बताता हूँ कि एक दिन मैं परमेश्वर के दाहिने बैठूंगा/ और मैं तुम्हारा न्यायी रहुंगा/ ये जवाब पसंद है/ क्योंकि ये दिखाता है कि परमेश्वर उसे उठाएगा/ और इस उठाए जाने में ये घोषणा होगी कि यीशु वो सब है जो उसके कहा था कि वो है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, उन्होंने कहा कि ये काफी है कि निन्दा का दोष लगाए/ और इसलिए उसे मृत्यु दी गई/ अब सवाल ये है कि क्या वो सत्य बता रहा था, और क्या परमेश्वर ने उसे ये सत्य बताकर उठाया, इसे हम देखे, इसे हम यशायाह के अध्याय से देखेगे, ब्रेक के बाद/ हम वापस आएगे, आप इसे चुकना नही चाहेगे/

२

।।।।

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हम वापस आ गए और चर्चा कर रहे हैं, आपको क्या लगता है, क्या आपको लगता है कि यशायाह 53 में, यीशु वो है जिसके बारे में यहाँ अनुमान लगाया गया/ मतलब हम हाँ या ना नही कह सकते/ और इस सवाल का जवाब देने के लिए हमें समझना होगा कि भविष्यवक्ता क्या कह रहा है/ ठीक है, याने हम यशायाह 53 का दूसरा भाग देख रहे हैं, चलिए और कुछ वचन देखे, मैं इसे स्क्रिन पर रखुंगा/ तौभी यहोवा को यही भाया कि उसे कुचले उसी ने उसको रोगी कर दिया, जब वह अपना प्राण दोषबली करे, तब वह अपना वंश देखने पाएगा, वह बहुत दिन जीवित रहेगा, उसके हाथ से यहोवा की इच्छा पूरी हो जाएगी/ वह अपने प्राणों का दुःख उठाकर उसे देखेगा, और तृप्त होगा/ अपने ज्ञान के द्वारा मेरा धर्मी दास बहुतेरों को धर्मी ठहराएगा/ और उनके अधर्म के कामों का बोझ आप उठा लेगा/ इस कारण मैं उसे महान लोगों के संग भाग दूँगा, और वह सामर्थियों के संग लूट बाँट लेगा/ क्योंकि उसने अपना प्राण मृत्यु के लिए उण्डेल दिया, वह अपराधियों के संग गिना गया तौभी उसने बहुतों के पाप का बोझ उठा लिया, और अपराधियों के लिए विनती करता है/ डॉक्टर कायज़र आप बताईए आपने कई साल तक इसका अध्यन किया है/ ये वचन हमें क्या बता रहे हैं/

डॉक्टर वॉल्टर कायज़र: जी यहाँ पर इस उद्धारक का उठाया जाना है/ ये तो उठाया जाना है इस प्रभु के दास का, सबसे पहले इसके बारे में भेद था/ उसका तिरस्कार किया गया/ और फिर उसके बाद प्रायश्चित है/ और फिर संतुष्टि होगी, और अब उठाया जाना है/ और वो कहता है, कि उसने अपना प्राण दोषबली करके दिया/ ये तो मानो दोष या पाप बली जैसे है/ जहाँ पर ये भेंट दी जाती है/ उस व्यक्ति के लिए, जिसके लिए दिया गया और उससे निपटता है/ और केवल उसे ये बार बार ही करना ही नही है, जानवरों के द्वारा/ लेकिन यदि एक परिपुर्ण व्यक्ति का बलिदान, ये परमेश्वर-मनुष्य आया और उसने अपना जीवन दे दिया/ और ये दोष बली था/ हाँ ये सदा के लिए इसे हल करेगा/ और यही निश्कर्ष निकला/

याने इन सारी बातों के द्वारा परमेश्वर इसे होने देता है/ तब वह अपना वंश देखेगा/ बीज, याने वो देख सकता था कि कोई नही जा रहा है/ जो ये कहते हैं कि ये मेरे लिए अर्थ रखता है/ मुझे इसे स्वीकार करना होगा, स्वीकार करना है, और ये मेरे दिल में आएगा/ और प्रभु कहता है कि वो उस मसीह को बहुत दिन जीवित रखेगा/ ये कहता है कि यहोवा की इच्छा से, याने परमेश्वर की योजना और उद्देश था/ वो उसके हाथों में पूरा होगा/ याने हमारे प्रभु ने क्रूस पर दुःख उठाने के बाद/ वो जीवन की ज्योति देखेगा/ और तृप्त होगा/

अब यहाँ पर अनंतजीवन आता है/ केवल विश्वास करनेवाले ही नही, लेकिन पूरा विवरण दिया है, नए स्वर्ग और नई पृथ्वी का/ और उसके ज्ञान के द्वारा/ या कुछ अनुवाद कहते हैं कि उसके प्रेरणा के द्वारा/ उसके काम से/ मेरा धर्मी दास बहुतों को धर्मी ठहराएगा/ याने परमेश्वर के द्वारा घोषित करने के द्वारा/ केस डिसमीस हुई, अब नकारात्मक बात नही रही/ हमारे पापों का प्रायश्चित किया गया और उससे निपटा गया है/ और ये तो एक बड़ा और हमेशा के लिए बलिदान हुआ/ जिसने बाकी सारे बलिदान खत्म हुए/ और इसके परिणाम में परमेश्वर कहता है कि मै उसे कब्र में, इस कारण मैं उसे महान लोगों के संग भाग दूँगा, और वह सामर्थियों के संग लूट बाँट लेगा/ क्यों? क्योंकि उसने अपना प्राण मृत्यु के लिए उण्डेल दिया, वह अपराधियों के संग गिना गया तौभी उसने बहुतों के पाप का बोझ उठा लिया, याने उस में कोई दोष नही था/ लेकिन उसने बहुतों के पाप का बोझ उठा लिया/ और अपराधियों के लिए विनती करता है/ कितना अदभुत उद्धारक है/ कितना अदभुत अध्याय है/ और कितना महान न्योता है, उन सब के लिए जो ये प्रोग्राम देख रहे हैं/ आपको कुछ कहना होगा/ ये तो बहुत ही अच्छी सलाह होगी/ आपको आकर इस उद्धारक को स्वीकार करना होगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अदभुत सलाह, डॉक्टर बॉक क्या लोगों को यशायाह 53 में देखकर ये देखते हैं कि दुःख उठानेवाला दास/ पहले मरेगा और फिर जी उठेगा/

रेल बॉक: बिलकुल, याने यहाँ बात तो ये है कि दोषबली है, ये तो क्या हो रहा है उसका महत्वपुर्ण क्लू है/ कुछ लोग इस वचन को देखकर कहते हैं, हां दास दुःख उठाता लेकिन वो मरता नही/ यहाँ तो केवल बहुत दर्द बताया गया है/ लेकिन मुझे पता नही कि पुराने नियम की भेटों में, मृत्यु बिना कुछ नही था/ याने ये बलिदान था, उसे वेदी पर जलाया जाता/ याने हम यहाँ पूरी तरह से मृत्यु के बारे में है/ और ये वचन इतना महत्वपुर्ण इसलिए है, याने पूराने नियम में सबसे अदभुत और महत्वपुर्ण वचन है/ पूराने नियम का महत्वपुर्ण वचन है कि कोई व्यक्ति दूसरों के लिए दुःख उठाता है/ जहां उस के बदल में हम देखते हैं, सामान्य रुप में हम देखते हैं कि मैं मेरे पापों के लिए जिम्मेदार हूँ/ मैं मेरे पापों के परिणामों के लिए

जिम्मेदार हूँ/ लेकिन यहाँ पर बदले में व्यक्ति के बारे में कहा गया है/ इसकी अदभुतता इसे महत्वपुर्ण बनाती है क्योंकि इसे अगल रखा गया और दिखावा किया कि ये नही है/ जाने के लिए और कोई जगह नही/ कि समझ सके कि मसीहा का मिशन क्या है/ लेकिन इस भाग को जोड़ने से हम देखते हैं, कि अदभुत व्यक्ति याने मसीहा, उसने अब अदभुत मिशन पाया है, दूसरों के बदले में काम करे/ और इस अदभुत बात में वो खुद की अदभुत बात दिखाता है, उसके मिशन की अदभुत बात, और उस मिशन की अदभुत बात में, अदभुत मौका है कि जीवित परमेश्वर के साथ फिर से जुड़ जाएं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : डॉक्टर बॉक बहुत से यहुदी लोग ये प्रोग्राम देखते हैं, इस्राएल में बहुत से लोग ये प्रोग्राम देखते हैं, यूरोप के बहुत से यहूदी लोग ये प्रोग्राम देखते हैं, मैं चाहता हूं कि आप उन से चर्चा करे, कि इस उनके खुद के वचन में, हीब्रू वचन में/ क्या ये उन्हें इस सच्चाई की ओर लेकर आएं, कि कही तो भी आनेवाले भविष्य में, ये दास केवल मरेगा और बदले में ही नही होगा/ लेकिन वो जीलाया जाएगा, जीवित किया जाएगा/ याने जब ये होता है/ तो वो उसी दिशा की ओर बढने चाहिए/

रेल बॉक: जी हमने इस पर चर्चा की है, कि यहाँ ये बात है कि खुद को बढाया जाना/ याने ये ट्रेन की आवाज़ जैसे आवाज़ निकाल सकते हैं, क्या आप इसे हमारे लिए करना चाहेगे/

डॉक्टर वॉल्टर कायज़र: बुम

रेल बॉक: बुम देखिए बुम के बाद, यहां सच में ऐतिहासिक चर्चा है/ एक तरफ वो कहते हैं कि यीशु ने निन्दा की है, दूसरी ओर लोग कहते हैं कि यीशु ने उठाए जाने का दावा किया/ आलौकिक निर्देश के द्वारा, याने सवाल ये है कि इस विवाद में मैं कैसे किसी बात के लिए सहमत हो जाऊंगा/ मैं किस पोलीटीकल पार्टी के साथ जाऊँ/ निन्दावाले या उठानेवाले/ और पुनरुत्थान ये दर्शाता है, कि परमेश्वर ने यीशु को ऊंचा किया/ पुनरुत्थान और खाली कब्र, तो इस विवाद में परमेश्वर का मत है/ ये नही कहता कि एक दिन हम जीवित होगे, और मृत्यु के बाद जीवन है, जिसके बारे में हम अकसर चर्चा करते हैं, लेकिन ये मुड़कर ये कहता है कि ये यीशु, जो इस कब्र में था और अब वो चित्र से चला गया, कहा जाएं तो, वो अब मेरी ओर से है/ यीशु को एक जगह दी गई थी कि वो परमेश्वर के साथ हो/ और ये तो वो सब पूरा करना है जो यीशु कह और दावा कर रहा था/ जब मेरे पास चुनाव है/ एक तरफ निन्दा करनेवाले हैं, और उठानेवाले दूसरी ओर, तो ये वचन तो यीशु के आने के सैकड़ों साल पहले लिखा गया/ हमें मसीहा को देखना है, जिसे परमेश्वर उठाएगा, मृत्यु में से, जीवित करेगा/ कि ये आपके जीवन के लिए मौका हो/ तो ये मौका न खोएं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, इसे अनदेखा न करे/

रेल बॉक: बिलकुल सही, मतलब वो वही है जिसका दावा करता है/ यदि वो सबकुछ है जो परमेश्वर ने होने का वादा किया है/ तो हमें गौर करना चाहिए/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आप इस में क्या जोड़ना चाहेगे, यशायाह 53 के इस संदेश से कि अनदेखा न करे/

डॉक्टर वॉल्टर कायज़र: जी, महिमामय अंत तो मुर्दों में से पुनरुत्थान है/ ये तो उठाएं जाने से पूरा हुआ है/ यही यीशु जिसे तुमने आकाश में उंचे पर जाते देखा/ वो वापस आएगा, उसी तरह जैसे तुमने जाते देखा/ याने प्रेरित 1 में वो कहता है, हे गलीली पुरुषों तुम क्यों खड़े आकाश की ओर क्यों देख रहे हो, वो फिर आएगा/ जिस रीति से तुम ने उसे जाते देखा, उसी रीति से वह फिर आएगा/ याने हम उसकी राह देख रहे हैं जो वापस आनेवाला है/ और हम कहते हैं कि राजा चकित हो जाएगे/ प्रेसिडेन्ट और जनरल्स, और अधिकारी लोग, वो लोग क्या कहेगे/ उस दिन जब राजाओं का राजा, और ईश्वरों का परमेश्वर और प्रभुओं का प्रभु प्रकट होगा/ तुम तो बहुत लोग हो जो सोचते हो कि तुम जीवन के मुख्य सोते से दूर हो, मैं तुम से कहता हूँ कि तुम उस में होगे/ क्योंकि ये यीशु तुम्हारे लिए वापस आएगा और मेरे लिए, और उन सबके लिए जिन्होंने उसे प्रभु और उद्धारक ग्रहण किया है/ हम उठाए जाने के बारे में कह रहे हैं, यही सबकुछ है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : दोस्तों, जैसे हम आगे बढ रहे हैं, हम ये भविष्यवाणी जोड़ रहे हैं, और हम सवाल पुछ रहे हैं कि वो भविष्य में किसकी ओर दर्शा रहा है/ अब हम भविष्यवक्ता यिर्मयाह से अगले हफ्ते देखेगे/ ये कहता है, यहोवा की यह वाणी है, देखो ऐसे दिन आते हैं, जब मैं दाऊद के कुल में एक धर्मी अंकुर लगाऊंगा और वह राजा बनकर बुद्धि से राज्य करेगा/ और उसका नाम ये होगा, उसे कहा जाएगा यहोवा हमारी धार्मिकता/ इसका क्या अर्थ है? यहूदी लोगों के लिए इसका क्या अर्थ है/ हमारे लिए इसका क्या अर्थ है, ये महान भविष्यवाणी है आशा करता हूँ कि अगले हफ्ते आप मेरे साथ जुड़ जाएंगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

www.jashow.org

Copyright 2014 ATRI